नईदुनिया

पीयू फोम बनाने वाली कंपनी शाम फोम का आईपीओ लान्च, 18 अगस्त को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली

पालीयूरेथेन फोम (पीयू फोम) का उत्पादन और विपणन करने वाली कंपनी शाम फोम का 40.48 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 13 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 14 अगस्त को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 17 अगस्त को अलाटेड शेयर डिमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 18 अगस्त को बीएसई के एसएमई प्लेटफार्म पर लिस्ट हो सकते हैं। लान्चिंग के बाद दोपहर दो बजे तक इस आईपीओ को सिर्फ सोलह आवेदन मिले थे, जिनके जरिये ये इश्यू महज 0.01 प्रतिशत सब्सक्राइब हो सका था।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 130 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लाट साइज 1,000 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लाट यानी 2,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,60,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 31.14 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। इसमें कोई आफर फार सेल (ओएफएस) नहीं है।

इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 47.50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व रखा गया है। इसी तरह नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए भी 47.50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व रखा गया है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए पांच प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए कारपोरेट मेकर्स कैपिटल लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। जेएंडके सिक्योरिटीज एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है।

शाम फोम की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्राप्सेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 2.97 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 3.58 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 8.65 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 73.89 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 81.62 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिकी अदालत ने गौतम अडाणी के खिलाफ आपराधिक मामला खारिज किया

नई दिल्ली/न्यूयार्क। अमेरिका की एक अदालत ने अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी और उनके भतीजे सागर अडाणी के खिलाफ प्रतिभूति एवं धोखाधड़ी से जुड़े आपराधिक मामले स्थायी रूप से खारिज कर दिया है। इसके साथ ही कथित धोखाधड़ी और रिश्वत के मामले में 2 साल से जारी कानूनी कार्यवाही अब समाप्त हो गई है। न्यूयार्क के यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट फार द ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट ने न्याय विभाग के नियम 48(ए) के तहत दायर याचिका स्वीकार करते हुए आरोप पत्र में शामिल दूसरे, तीसरे और चौथे आरोपों को खारिज कर दिया। न्यायाधीश निकोलस गैराफिस ने अभियोजन पक्ष से मामले को वापस लेने के फैसले पर अतिरिक्त स्पष्टीकरण मांगने के बाद न्याय विभाग की याचिका को मंजूरी दे दी है। आरोपों को स्थायी रूप से खारिज किए जाने का अर्थ है कि आपराधिक कार्यवाही हमेशा के लिए समाप्त हो गई है और इन आरोपों को दोबारा दायर नहीं किया जा सकता। इन आरोपों में प्रतिभूति धोखाधड़ी की साजिश, वायर धोखाधड़ी की साजिश और प्रतिभूति धोखाधड़ी के आरोप शामिल थे। गौतम अडाणी ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि उन्होंने इसे विनम्रता और न्यायिक प्रक्रिया के प्रति गहरे सम्मान के साथ इसे स्वीकार किया है। अडाणी ने एक्स पर जारी एक पोस्ट में कहा, इस चुनौतीपूर्ण दौर में सत्य, निष्पक्षता और कानून के शासन में हमारा विश्वास कभी नहीं डिगा।

पावर ग्रिड में दिलचस्प बदलाव: बीमा कंपनियों ने बढ़ाई हिस्सेदारी, एआईआई ने घटाई

नई दिल्ली। पावर ग्रिड कारपोरेशन आफ इंडिया (पीजीसीआईएल) में बड़े संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी में एक दिलचस्प बदलाव देखने को मिला है। जून 2026 तिमाही के आंकड़ों के अनुसार जहां घरेलू बीमा कंपनियों ने कंपनी में अपनी हिस्सेदारी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाई है, वहीं विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने अपनी होल्डिंग में मामूली कमी की है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब देश के बिजली पारेषण नेटवर्क की यह प्रमुख कंपनी अगले कुछ सालों के लिए एक विशाल आर्डर बुक के साथ मजबूत स्थिति में है, जिसका कुल मूल्य 1.76 लाख करोड़ रुपये है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की रिपोर्ट बताती है कि दिसंबर 2025 से जून 2026 तक प्रमोटर (सरकार) की हिस्सेदारी 51.3 फीसदी पर स्थिर रही। हालांकि, संस्थागत निवेशकों के बीच हिस्सेदारी का पैटर्न बदल गया। बीमा कंपनियों ने इस अवधि में अपनी हिस्सेदारी 4.5 फीसदी से बढ़ाकर 6.9 फीसदी कर ली, जो केवल छह महीनों में 2.4 प्रतिशत अंकों की उल्लेखनीय वृद्धि है। इसके विपरीत, विदेशी संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी दिसंबर 2025 के 24.8 फीसदी से घटकर जून 2026 तक 24.3 फीसदी रह गई। म्युचुअल फंड और अन्य घरेलू संस्थानों की हिस्सेदारी भी थोड़ी घटकर 13.6 फीसदी पर आ गई। रिपोर्ट में हालांकि इन बदलावों के पीछे कोई विशिष्ट कारण नहीं बताया गया है, और इससे सीधे तौर पर यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि बीमा कंपनियों का भरोसा बढ़ा है या विदेशी निवेशक दूर हो रहे हैं। कंपनी की सबसे बड़ी ताकत उसकी भविष्य की विकास क्षमता और मौजूदा मजबूत आर्डर बुक है।

मारुति ग्रैंड विटारा की घरेलू बाजार में कुल 4,01,007 यूनिट्स की बिक्री दर्ज

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में मारुति सुजुकी की लोकप्रिय एसयूवी ग्रैंड विटारा ने अपनी बिक्री के 4 लाख यूनिट्स के आंकड़े को छू लिया है। अपने लान्च होने के बाद से लेकर जून 2026 तक इस एसयूवी ने घरेलू बाजार में कुल 4,01,007 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की है, जबकि 62,500 यूनिट्स का निर्यात भी किया गया है। यह उपलब्धि ग्रैंड विटारा ने 45 महीनों में हासिल की है, जिसे मारुति के प्रीमियम नेक्सा शोरूम के माध्यम से बेचा जाता है। ग्राहक औसतन हर महीने 8,911 यूनिट्स और हर दिन लगभग 293 लोग इस एसयूवी को खरीद रहे हैं। हालांकि, 4 लाख के आंकड़े तक पहुंचने में इसे दूसरी पीढ़ी की हुंडई क्रेटा के मुकाबले 21 महीने ज्यादा लगे, जिसने यह मुकाम 25 महीनों में हासिल कर लिया था। फिर भी, ग्रैंड विटारा ने मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट में कई रिकार्ड बनाए हैं; यह 1 लाख यूनिट (12 महीने में), 2 लाख यूनिट (22 महीने में, पहली पीढ़ी की क्रेटा को पीछे छोड़ते हुए) और 3 लाख यूनिट (कुल 10 महीने में 2 से 3 लाख तक) तक पहुंचने वाली सबसे तेज एसयूवी रही है।

सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च हुआ फैसिनेट टेक्सटाइल्स का आईपीओ, 13 अगस्त तक लगा सकते हैं बोली

नई दिल्ली

टेक्सटाइल सेक्टर के लिए काम करने वाली कंपनी फैसिनेट टेक्सटाइल्स का 66.98 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 13 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 14 अगस्त को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 17 अगस्त को अलाटेड शेयर डिमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 18 अगस्त को एनएसई के एसएमई प्लेटफार्म पर लिस्ट हो सकते हैं। लान्चिंग के बाद दोपहर 2:30 बजे तक इस आईपीओ को सिर्फ 64 आवेदन मिले थे, जिनके जरिये ये इश्यू महज तीन प्रतिशत सब्सक्राइब हो सका था।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 148 रुपये प्रति शेयर से लेकर 156 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 800 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लाट यानी 1,600 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,49,600 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 42,93,600 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें लगभग 54 करोड़ रुपये के 34,57,600 नए शेयर जारी किये जा रहे हैं, जबकि करीब 13 करोड़ रुपये के 8,36,000 शेयर आफर फार सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए सिर्फ 1.01 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है।

इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 56.34 प्रतिशत हिस्सा और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 37.64 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.01 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए एफिलिटी ग्लोबल कैपिटल मार्केट प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि मां कैमियो कारपोरेट सर्विसेज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं गिरिराज स्टाक ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है।

फैसिनेट टेक्सटाइल्स की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्राप्सेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 48 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 5.81 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 15.07 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 28.90 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 60.28 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 117.23 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 12.33 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 18.21 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ उछल कर 26.02 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 4.45 करोड़ रुपये के स्तर पर था। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का नेटवर्थ बढ़ कर 10.45 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में ये 31.44 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें, तो इस अवधि में कंपनी इस मोर्चे पर भी बढ़त हासिल करने में सफल रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 3.05 करोड़ रुपये के स्तर पर था। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस लगभग तीन गुने उछाल के साथ 9.04 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 21.14 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

इसी तरह ईबीआईटीडीए (अनिंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमार्टाइजेशन) 2023-24 में 1.68 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 10.01 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का ईबीआईटीडीए उछल कर 24.15 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चेन्नई में सोने की बढ़ी कीमत, चांदी में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में चेन्नई को छोड़कर देश के ज्यादातर दूसरे सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। वहीं चेन्नई में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने ने मजबूती के साथ कारोबार की शुरुआत की है। सर्राफा बाजार की दूसरी प्रमुख चमकीली धातु चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 400 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 430 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने की कीमत 500 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 540 रुपये प्रति 10 ग्राम तक बढ़ गई है। कीमत में हुए इस बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,51,960 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,52,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,39,290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,39,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने की वजह से ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,44,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,52,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,51,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,52,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,52,170 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,39,490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,51,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,39,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,52,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है।

बैंकिंग सेक्टर के भविष्य पर दो दिवसीय मंथन, वित्त मंत्री करेंगी अध्यक्षता

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय अगले सप्ताह सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) और वित्तीय संस्थानों के लिए दो दिवसीय शिखर सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। 17 और 18 अगस्त को होने वाले इस कार्यक्रम की अध्यक्षता वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण करेंगी। इसका उद्देश्य बैंकिंग क्षेत्र की कार्यप्रणाली में सुधार लाना, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना और जमा बढ़ाने से लेकर प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को ऋण देने जैसे सात प्रमुख बिंदुओं पर एक प्रभावी रणनीति तैयार करना है। इस महत्वपूर्ण बैठक में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी), नाबार्ड, सिडबी, निर्यात-आयात बैंक (एक्जिम बैंक) सहित विभिन्न प्रमुख वित्तीय संस्थानों के लगभग 125 शीर्ष अधिकारी हिस्सा लेंगे। यह सम्मेलन भाग लेने वाले संस्थानों को बेहतर कार्यप्रणालियों को साझा करने, बड़े स्तर पर लागू किए जा सकने वाले कदमों की पहचान करने और बैंक क्षेत्र के लिए समयबद्ध तथा व्यावहारिक रणनीति तैयार करने का मंच उपलब्ध कराएगा। सम्मेलन में जिन सात प्रमुख विषयों पर मंथन होगा, उनमें जमा राशि जुटाना (ताकि सस्ते ऋण मिल सकें), युवाओं के लिए बैंकिंग सेवाएं, निवेश चक्र को समर्थन (खासकर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए), वैश्विक क्षमता केंद्रों को सहयोग, कृषि और बागवानी मूल्य श्रृंखला के लिए बुनियादी ढांचा, क्रेडिट कार्ड कारोबार को नए सिरे से विकसित करना और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को ऋण देना शामिल हैं।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी मामूली गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान निवेशक सतर्क होकर कारोबार करते रहे, जिसकी वजह से वाल स्ट्रीट के सूचकांकों पर दबाव बन गया। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 7,753.11 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.32 प्रतिशत टूट कर 26,605.36 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ 53,964.19 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.36 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,862.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,726.03 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 26,323.88 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि तीन सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। वहीं जापान के टोक्यो स्टाक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से निक्केई इंडेक्स में कोई हलचल नहीं है।

कोस्पी इंडेक्स 83.02 अंक यानी 1.32 प्रतिशत उछल कर 6,382.68 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 50.53 अंक यानी 0.89 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,748.96 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा ताईवान वेटेड इंडेक्स 200.85 अंक यानी 0.45 प्रतिशत की तेजी के साथ 45,129.61 अंक के स्तर पर आ गया है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 95.50 अंक यानी 0.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,536 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,618.40 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.76 प्रतिशत लुढ़क कर 6,317.06 अंक के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 158.49 अंक यानी 0.61 प्रतिशत टूट कर 25,779 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 3,964.79 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला मिल्की मिस्ट डेयरी फूड का आईपीओ, 17 अगस्त को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली

डेयरी प्रोडक्ट्स की मैन्युफैक्चरिंग और मार्केटिंग करने का काम करने वाली कंपनी मिल्की मिस्ट डेयरी फूड लिमिटेड का 1,553 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 13 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 14 अगस्त को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 17 अगस्त को अलाटेड शेयर डिमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 18 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। लान्चिंग के बाद दोपहर 1:15 बजे तक इस आईपीओ को 40 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिल चुका था।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 133 रुपये से लेकर 140 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 107 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लाट यानी 107 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,980 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,94,740 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लाट में 1,391 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। मिल्की मिस्ट डेयरी फूड के इस आईपीओ के तहत दो रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 11,09,43,193 शेयर जारी होंगे। इनमें लगभग 1,428 करोड़ रुपये के 10,20,14,623 नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा 125 करोड़ रुपये के 89,28,570 शेयर आफर फार सेल विंडो के जरिये बेचे जाएंगे। आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए न्यूनतम 35 प्रतिशत हिस्सा और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए न्यूनतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। केफिन टेक्नोलाजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। मिल्की मिस्ट डेयरी फूड लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो प्राप्सेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 19.44 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 46.07 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 127.01 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 1,826.86 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 2,354.79 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 3,145.01 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 1,036.72 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 1,376.38 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 1,671.85 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 197.05 करोड़ रुपये के स्तर पर था। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का नेटवर्थ बढ़ कर 242.77 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में ये 378 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें तो इस अवधि में कंपनी को इस मोर्चे पर उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 278.04 करोड़ रुपये के स्तर पर था। हालांकि इसके अगले साल 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस घट कर 199.23 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।